नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

हिंदी विश्वविद्यालय में गिरिराज किशोर की दी श्रद्धांजलि

वर्धा दि. 11 फरवरी 2020 : हिंदी के प्रख्यात लेखक गिरिराज किशोर के निधन पर महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में मंगलवार को शोकसभा में भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। साहित्यकार गिरिराज किशोर का रविवार को

उत्तर प्रदेश के कानपुर में निधन हो गया। वह 83 वर्ष के थे। 08 जुलाई 1932 को मुजफ्फरनगर में जन्मे गिरिराज किशोर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के कुलसचिव पद से सेवानिवृत्त होने के बाद स्वतंत्र लेखन कर रहे थे। पद्मश्री और साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किशोर कहानीकार, उपन्यासकार और नाटककार भी थे। किशोर को ख्याति उनके पहले उपन्यास पहला गिरमिटिया से मिली थी, जो उन्होंने गांधीजी के दक्षिण अफ्रीका प्रवास पर लिखा था। 'ढाई घर' उपन्यास के लिए उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला था। के. के. बिडला फाउंडेशन का व्यास सम्मान भी उन्हें प्राप्त हुआ था।

शोक सभा में प्रतिकुलपति प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल, कार्यकारी कुलसचिव क़ादर नवाज़ ख़ान, अध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी तथा विद्यार्थी उपस्थित थे।